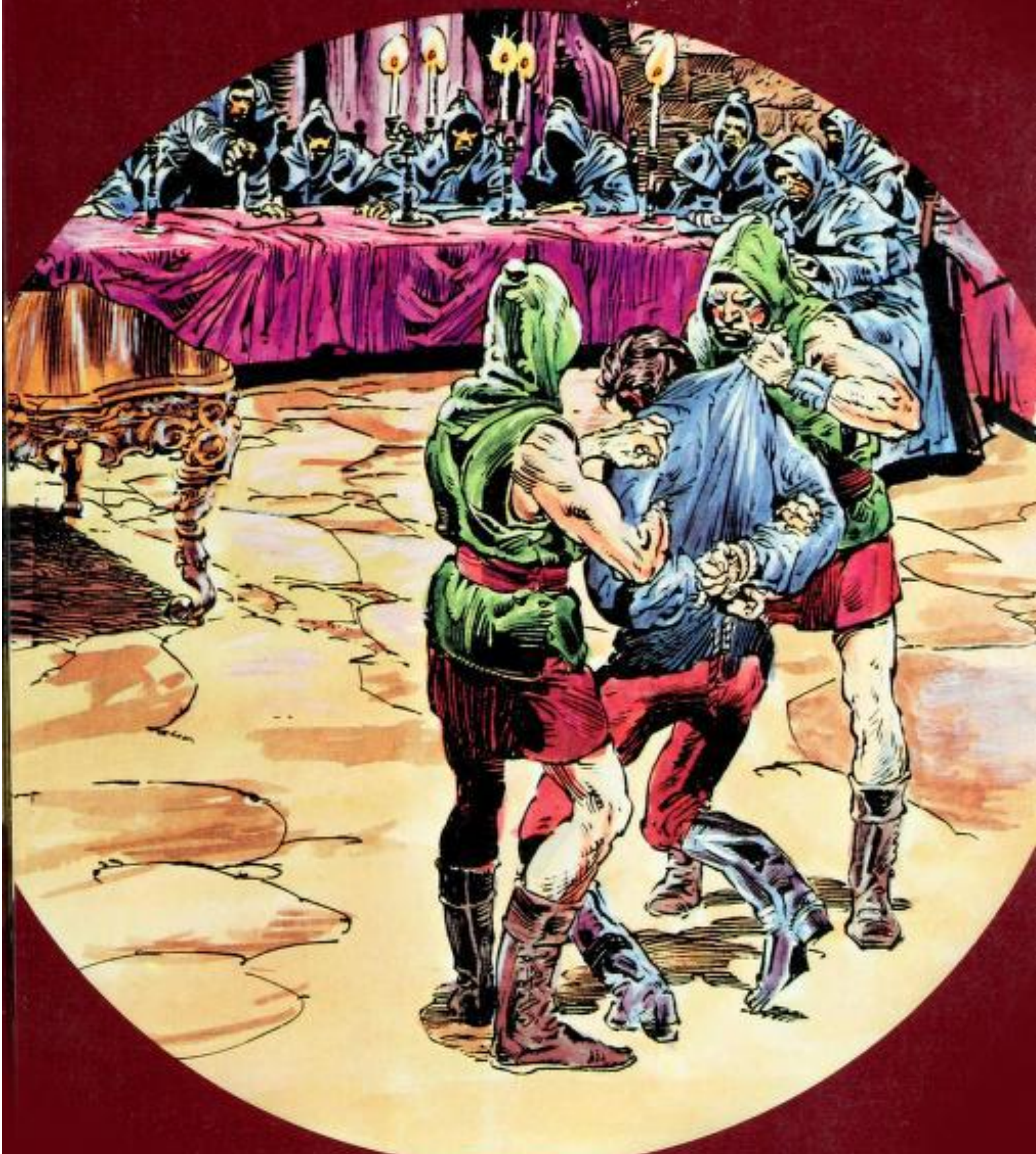
एडगर एलन पो

की उत्कृष्ट कहानियाँ



लेखक के विषय में

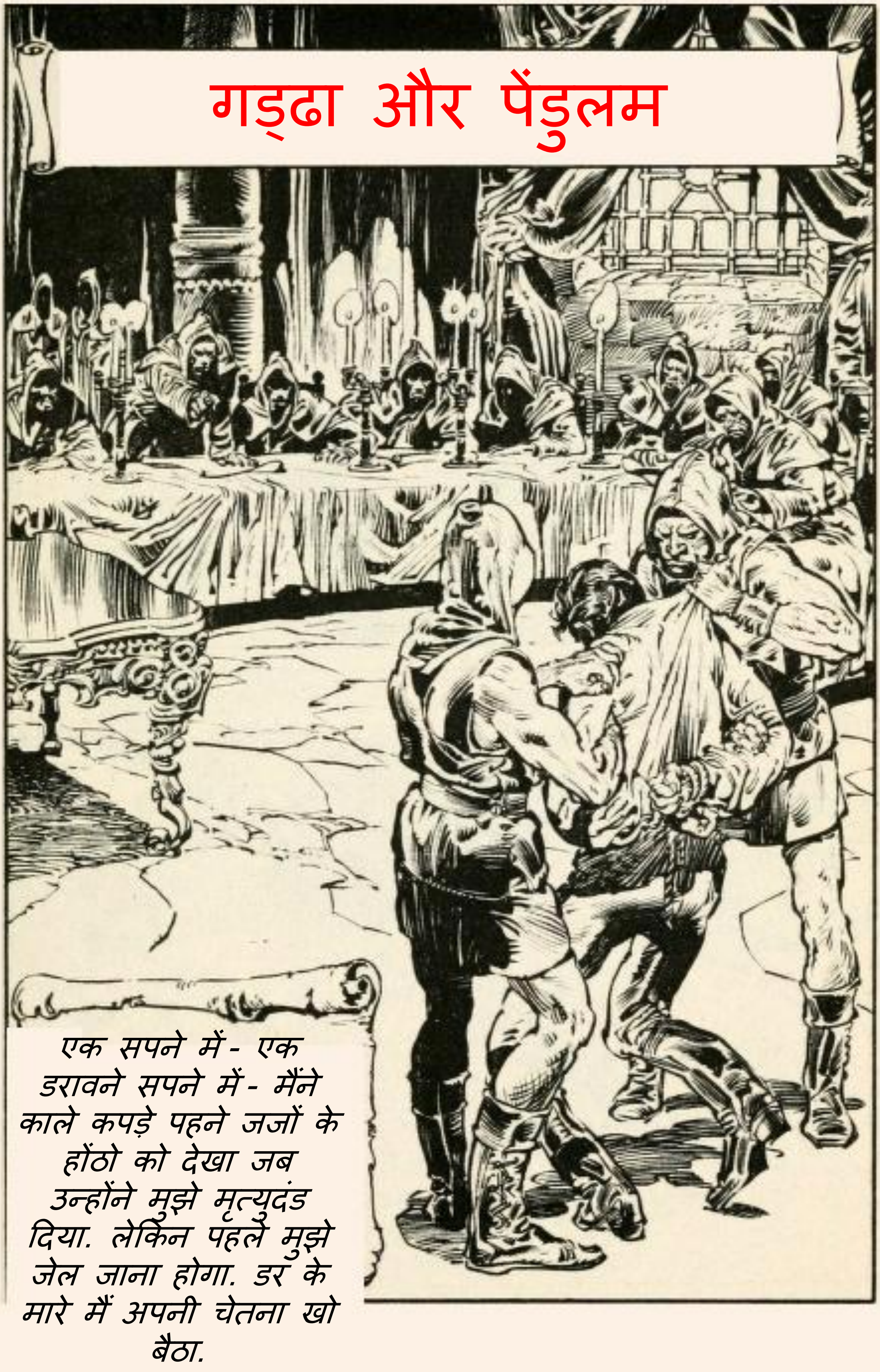


एडगर एलन पो का जन्म अमरीका के बोस्टन नगर में 1809 में हुआ था. दो वर्ष की आयु में वह अनाथ हो गये थे . फिर उनका पालन-पोषण उनके संबंधी जॉन एलन ने किया. उन्होंने वर्जिनिया यूनिवर्सिटी में प्रवेश लिया, लेकिन वह अपनी शिक्षा पूरी न कर पाए. पढ़ने के बजाय वह अपना अधिक समय शराब पीने और जुआ खेलने में व्यतीत करते थे. फिर वह सेना में भर्ती हुए, लेकिन नियमों का पालन न करने के कारण उन्हें 'वेस्ट पॉइंट' से निकाल दिया गया. जब 1834 में जॉन एलन का निधन हुआ तब पो बिलकुल दरिद्र थे.

पो ने 1836 में तेरह वर्षीय वर्जिनिया क्लेम्म से विवाह किया. परन्तु उनका जीवन कठनाइयों से भरा था. पो को अपने लेखन से कुछ ख़ास आमदनी न होती थी. जब 1847 में वर्जिनिया की मृत्यु हुई, पो और अधिक शराब पीने लगे और जुआ भी अधिक खेलने लगे. इस कारण उन्हें लगातार कष्टों का सामना करना पड़ा. लेकिन उनकी कहानियाँ प्रचलित हो रही थीं. यूरोप में तो उनकी कहानियों का फ्रेंच भाषा में अनुवाद भी हुआ.

अपने जीवन काल में बीच-बीच में वह लंबे समय तक बीमार भी रहते थे. बीमारी और अधिक शराब पीने के कारण कभी-कभी उन्हें भय लगता कि वह अपना मानसिक संतुलन खो रहे थे. उनका अंत 1849 में हुआ जब एक दिन बाल्टीमोर में वह एक गट्टर में मरणावस्था में पाए गये.

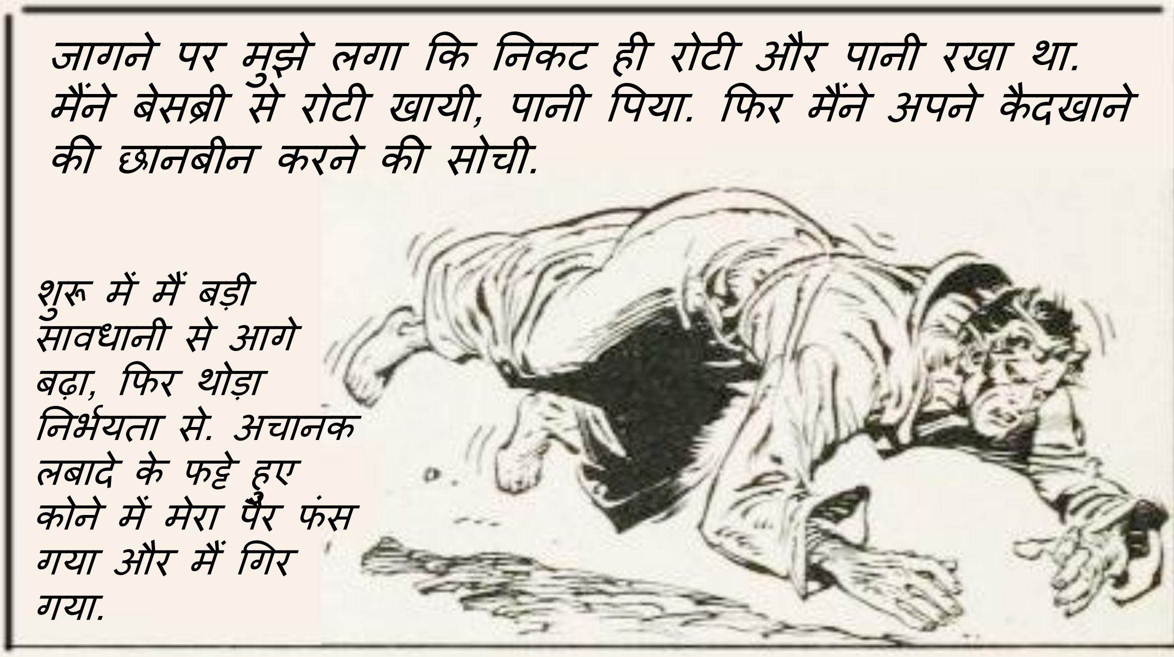
एडगर एलन पो अपने काल के सबसे गलत समझे गये व्यक्ति थे. लेकिन वह अमरीका के सबसे महान कहानीकारों में से एक थे.


गड्ढा और पेंडुलम
एक सपने में- एक डरावने सपने में- मैंने काले कपड़े पहने जजों के होंठो को देखा जब उन्होंने मुझे मृत्युदंड दिया. लेकिन पहले मुझे जेल जाना होगा. डर के मारे मैं अपनी चेतना खो बैठा.


उन लोगों की लंबी आकृतियों की बस धुंधली-सी यादें थीं जो मुझे उठा कर नीचे की ओर ले गये थे ....


लंबे अंतराल के बाद मुझे होश आया. अँधेरे में मैं अपनी पीठ के बल लेटा हुआ था. अब मेरे हाथ बंधे हुए न थे.
आँखें खोले बिना ही मैंने अपने हाथ को हिलाया. मेरे हाथ किसी नम और सख्त जगह पर पड़ा था.


आँखें खोलने में मुझे डर लग रहा था. मैं भयभीत था कि मुझे कुछ दिखाई न देगा. मैंने प्रयास किया तो वैसा ही हुआ जिसका मुझे डर था, वहाँ सिर्फ अँधेरा था.
मैं उछल कर खड़ा हो गया. मैंने बेतहाशा अपने हाथ इधर-उधर फैलाये. मुझे लग रहा था कि मेरे हाथ किसी मकबरे की दीवारों को महसूस करेंगे.
आखिरकार मेरे हाथ ने एक सपाट, चिपचिपी और ठंडी दीवार को छुआ. अपने कैद-खाने का आकार जानने के लिये, मैं दीवार को टटोलता हुआ चलने लगा.
ज़मीन पर फिसलन थी. मैं लड़खड़ा कर गिर गया.
मैं इतना थका हुआ था कि मैं फिर उठ ही न पाया. मैं ज़मीन पर पड़ा रहा और सो गया.



मैं चेहरे के बल लेटा रहा. मेरी ठोड़ी फर्श पर टिकी थी. लेकिन बाकी चेहरा किसी चीज़ को छू न रहा था.





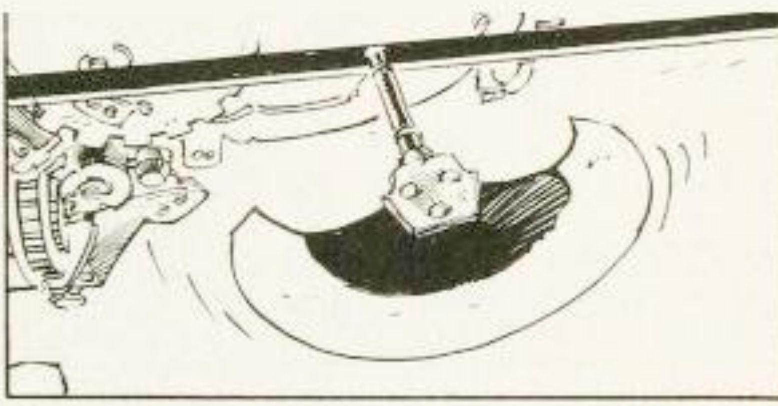
कांपते हुए,
मैं धीरे-धीरे
दीवार के पास
वापस आ
गया.
आखिरकार
मुझे गहरी
नींद आ गयी.
जब मैं उठा,
सब कुछ
बदल चुका
था.



ऊपर कहीं से रोशनी आ रही थी. मैंने सर उठा कर अपने आसपास देखा. दीवारों पर डरावने चित्र बने हुए थे. गोल गड्ढा मेरे बंधीगृह के बिल्कुल बीच में था.

मेरे ऊपर ऊंची छत पर बूढ़े 'फादर टाइम' का चित्र बना था. बस उसकी दराँती की जगह एक पेंडुलम था.

क्या पेंडुलम चित्र का हिस्सा था, जैसा कि मैंने शुरू में समझा था? या फिर वह सच में घूम रहा था?





हल्का शोर सुन कर मैंने अपना सर घुमाया. फर्श पर देखा तो पाया कि गोल गड्ढे से बड़े-बड़े चूहों की टोलियाँ बाहर आ रही थी. वह मांस के उस टुकड़े को खाने आ रहे थे जो मेरे निकट पड़ा था.





कई घंटे- शायद कई दिन–
मैं सहमा-सा उसे अपने ऊपर घूमता देखता रहा.







तभी पेंडुलम रुक गया. वह ऊपर छत की ओर चला गया. लेकिन धातु की बनी दीवारें गर्मी से चमकने लगीं!






मेरा दम घुटने लगा. जलती हुई दीवारें मुझे गड्ढे की तरफ धकेलने लगीं.
कुछ पलों बाद मैं गड्ढे के किनारे खड़ा काँप रहा था. मेरा अंत निश्चित था. डर के मारे मैं अंतिम बार, पूरे ज़ोर से और बड़ी देर तक चीखा.
अचानक ज़ोर का धमाका हुआ जैसे भोंपू बजे हों. डरावनी, चरचराने की आवाज़ के साथ दीवारें पीछे हट गईं. जैसे ही मैं, बेहोश-सा, गड्ढे में गिरने लगा, एक हाथ ने आगे आ कर मेरा बाज़ू थाम लिया.
यह हाथ जनरल लासल्ले का था. फ्रेंच सेना टोलेडो में आ गयी थी. मेरे शत्रुओं का नाश हो गया था और आखिरकार मैं बच गया था.
समाप्त

अशर परिवार का अंत



वाचक



रोड्रिक अशर



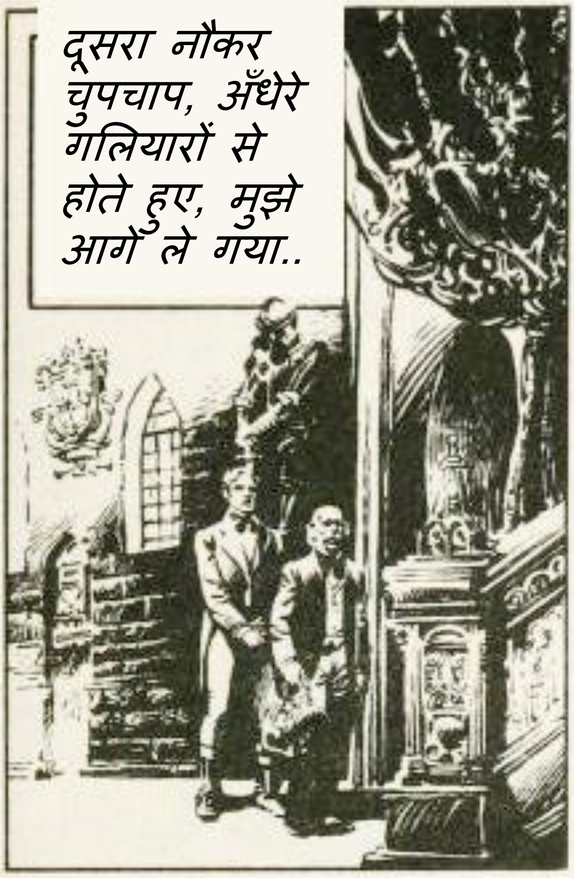
मैडलिन अशर

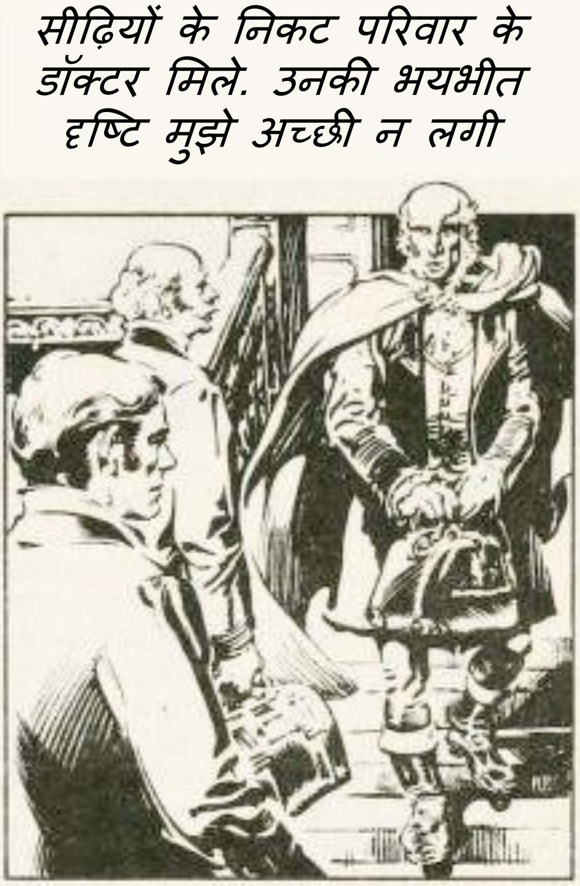


शरद ऋतु के एक धुंधले दिन, अपने घोड़े पर सवार, मैं सुनसान ग्रामीण क्षेत्र में यात्रा करता आगे बढ़ रहा था. शाम के समय, मैं पुराने, उदास 'अशर हाउस' के सामने खड़ा था. जैसे ही मैंने वह घर देखा, मेरा हृदय विषाद और आशंका से भर गया.



मैं यहाँ उस पत्र के कारण आया था जो कुछ समय पहले ही मुझे मिला था.
अह! पत्र मेरे पुराने मित्र, रोड्रिक अशर, का था, जिसे मैं कई वर्षों से न मिला था.
उसे कोई गंभीर रोग था और मानसिक समस्या से भी वह पीड़ित था. उसकी इच्छा थी कि उसका धैर्य बंधाने के लिये कुछ दिन मैं उसके साथ रहूँ...
इस पत्र का तो एक ही उत्तर था, मुझे शीघ्र उसके पास जाना होगा!
तो इस तरह मैं 'अशर हाउस' आया.
एक नौकर ने मेरा घोड़ा पकड़ लिया और मैं घर के भीतर आया.


दूसरा नौकर चुपचाप, अँधेरे गलियारों से होते हुए, मुझे आगे ले गया..


सीढ़ियों के निकट परिवार के डॉक्टर मिले. उनकी भयभीत दृष्टि मुझे अच्छी न लगी


फिर वह नौकर मुझे एक विशाल कमरे में ले आया जहां उसके स्वामी ने सोफ़े से उठ कर मेरा स्वागत किया.
रोड्रिक!
अह, मेरे प्रिय मित्र! तुम से मिल कर कितनी प्रसन्नता हो रही है!



जब वह अपने रोग के विषय में बता रहा था तब मैं उसके बदले हुए रूप को बड़े खेद से देख रहा था.
मैं बहुत ही संवेदनशील हो गया हूँ. मैं बिल्कुल फीका भोजन ही खा पाता हूँ, सबसे मुलायम कपड़े ही पहन सकता हूँ, फूलों की खुशबू भी सहन नहीं होती, और लगभग सभी आवाज़ें मुझे डरा देती हैं!
मुझे सबसे अधिक भय...खतरों से नहीं...लेकिन उन तुच्छ बातों से है जो मेरी आत्मा को कष्ट पहुंचा सकती हैं! आज नहीं तो कल, भय से झूझते हुए, मैं अपना विवेक और जीवन खो बैठूँगा.
लेकिन उसके दुःख का मुख्य कारण था उसकी प्रिय बहन की भयंकर बीमारी, वह धीरे-धीरे मर रही थी.
वर्षों से वह मेरी इकलौती साथी है. उसकी मृत्यु के बाद अशर परिवार का मैं अंतिम सदस्य हो जाऊँगा.
उसकी बीमारी ने डॉक्टरों को भी हैरान कर दिया था.
वह कमज़ोर होती जा रही है...हड्डियों का ढांचा हो गयी है...हिलडुल नहीं पाती... उसे दौरे पड़ते है.


जब वह बातें कर रहा था, तब मैडलिन मुझे देखे बिना कमरे के दूर वाले कोने से गुज़री और गायब हो गई.
मैंने शायद उसे अंतिम बार देखा था क्योंकि उस रात के बाद, अपनी बीमारी के कारण, वह बिस्तर से उठ न पाई थी.
मैंने कई दिनों तक अपने मित्र का दिल बहलाने का प्रयास किया.
हम ने एक साथ चित्रकारी की.
हम एक साथ पढ़ते थे.
कभी-कभी वह गिटार बजाता था और मैं बैठकर सुनता था.


फिर एक शाम अचानक उसने कहा कि मैडलिन की मृत्यु हो गयी थी.
घर के नीचे एक तहखाने में मैं उसके शव को पन्द्रह दिनों के लिये रखना चाहता हूँ. फिर परिवार के कब्रिस्तान में मैं उसे दफना दूंगा. मेरे मित्र, क्या मेरी सहायता करोगे?
अवश्य, रोड्रिक! अवश्य करूंगा!
हम शव को घर के बहुत नीचे बने एक तहखाने में ले गये.
हमारी मशालें बार-बार बुझ रही थीं क्योंकि नीचे रास्तों में हवा बहुत कम थी.
जब मैंने मैडलिन के चेहरे को अंतिम बार देखा तो मुझे लगा की जैसे वह जीवित थी. मैं जानता था की जिन लोगों को उसकी बीमारी थी, मृत्यु के बाद वह ऐसे ही लगते थे.
हम जुड़वां थे. हम दोनों में से एक सदा जानता था कि दूसरा क्या सोच रहा था.


फिर हमने ताबूत का ढक्कन अच्छे से बंद कर दिया.
जब हम ने तहखाने का लोहे का बड़ा दरवाज़ा बंद किये तो चूलों से खड़खड़ाने की आवाज़ आई.
दुःख के इन दिनों में मेरे मित्र में बहुत परिवर्तन आ गया था. वह खाली कमरों में भटकता रहता था. वह शून्य में ऐसे देखता था जैसे कि वह कोई आवाज़ सुन रहा था, जो वहाँ थी ही नहीं.
उसके भय को देख, मैं भी डरने लगा था. एक रात नींद न आने के कारण मैं बिस्तर से उठा, तैयार हुआ और कमरे में चक्कर लगाने लगा.
कमरे में अँधेरा है और बाहर तूफ़ान आया हुआ है, तभी मैं सो नहीं पा रहा हूँ!
दरवाज़े पर हल्की सी थपथपाने की आवाज़ हुई और रोड्रिक भीतर आ गया. वह बहुत घबराया हुआ था.
आओ, बैठ जाओ! मैं तुम्हारी पसंदीदा पुस्तकों में से एक पढ़ कर सुनाता हूँ. इस तरह हम एक साथ इस भयानक रात को बिता देंगे!


उस कहानी में हीरो एक कमरे के दरवाज़े को तोड़ कर अंदर घुसा. “इस तरह उसने दरवाज़ा तोड़ दिया....सूखी लकड़ी के फटने और चीरने की आवाज़ गूँज रही थी ....”
तुमने सुना?
कुछ नहीं, तूफ़ान की आवाज़ है!
नीचे से खुरचने की आवाज़ आई....और फिर घंटी की आवाज़.
“....एक ज़ोरदार और डरावनी घंटी की आवाज़......”
निश्चय ही घर के किसी अलग भाग से खुरचने और चीरने की आवाज़ आई थी.
हाँ, मैं सुन रहा हूँ! कई घंटों से, कई दिनों से मैंने यह आवाज़ सुनी है- फिर भी बताने का साहस नहीं था.
हमने मेरी बहन को जीवित ही ताबूत में बंद कर दिया है!
मैंने ताबूत के अंदर से उसकी आहट सुनी थी, लोहे की चूलों का घिसना सुना था और अब सीढ़ियों पर उसके क़दमों की आवाज़. मैं बता रहा हूँ कि वह दरवाज़े के बाहर खड़ी है!


भारी-भरकम दरवाज़ा खुल गया और मैडलिन अशर की आकृति दिखाई दी. उसके कपड़ों पर खून के धब्बे थे.


धीमी आवाज़ में रोती-विलाप करती हुई वह अपने भाई पर झपटी. अब वह निश्चय ही मर रही थी, उसने भाई को धक्का देकर ज़मीन पर पटक दिया. और बुरी तरह से भयभीत, वह मैडलिन के निकट ही मर गया.


मैं वहाँ से भाग खड़ा हुआ; पुल पार कर मैं तूफ़ान में आ गया.


अचानक मेरे पीछे एक तेज़ रोशनी चमकी.
यह रक्त-समान चाँद था जो घर की टूटती हुई दीवारों के बीच से चमक रहा था.


मेरे देखते-देखते ही घर की मज़बूत दीवारें टूट कर बिखर गईं. आखिरकार 'अशर हाउस'' के सारे अवशेष उस तालाब में समा गये जिसके किनारे मैं खड़ा था.
THE END

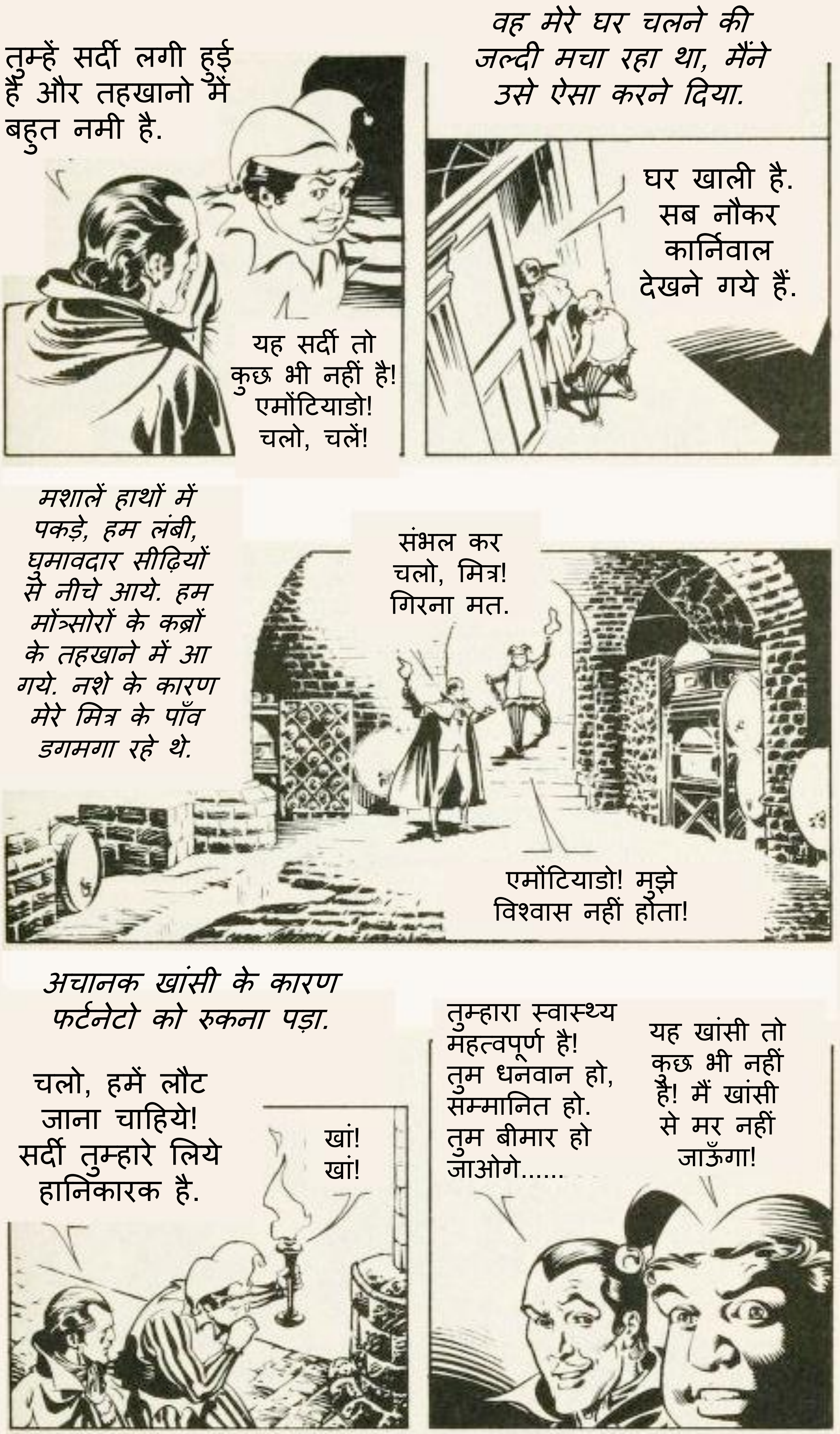
समाप्त

एमोंटियाडो का पीपा

फर्टनेटो ने हज़ार बार मुझे क्षति पहुँचाई थी. लेकिन जब उसने मेरा अपमान किया तो मैंने निश्चय किया कि मैं बदला लूंगा. मैं उसे मार डालूँगा-और पकड़ा भी न जाऊँगा. लेकिन इस बीच मैंने उसे भ्रम में रहने दिया कि वह मेरा अच्छा मित्र था.




सब बातों से बढ़कर, फर्टनेटो अपने आप को पुरानी शराबों का बड़ा पारखी समझता था. एमोंटियाडो के एक पीपे का ही उपयोग कर मैं उससे बदला लूंगा.
कैसा सौभाग्य है मेरा कि तुम से भेंट हो गयी. मैंने एमोंटियाडो का पीपा खरीदा है. लेकिन मुझे संदेह है कि वह असली शराब नहीं है.
एमोंटियाडो? एक पीपा? कार्निवाल के समय? असम्भव!
एमोंटियाडो!
मैं जानता हूँ. मुझे पहले ही तुम से बात करनी चाहिये थी. लेकिन तुम मिले ही नहीं और मैं अवसर खोना नहीं चाहता था.
मैं लुकेसी से मिलने जा रहा हूँ. उसे शराबों की अच्छी पहचान है. वह बता देगा.....
लुकेसी! वह तो एमोंटियाडो और शैरी का अंतर भी नहीं जानता!
चलो, तुम्हारे घर चलते हैं. मैं स्वयं उस शराब की जांच करूंगा!
नहीं, नहीं! मैं तुम्हारा समय व्यर्थ नष्ट नहीं कर सकता.


तुम्हें सर्दी लगी हुई है और तहखानो में बहुत नमी है.
यह सर्दी तो कुछ भी नहीं है! एमोंटियाडो! चलो, चलें!
वह मेरे घर चलने की जल्दी मचा रहा था, मैंने उसे ऐसा करने दिया.
घर खाली है. सब नौकर कार्निवाल देखने गये हैं.
मशालें हाथों में पकड़े, हम लंबी, घुमावदार सीढ़ियों से नीचे आये. हम मोंत्सोरों के कब्रों के तहखाने में आ गये. नशे के कारण मेरे मित्र के पाँव डगमगा रहे थे.
संभल कर चलो, मित्र! गिरना मत.
एमोंटियाडो! मुझे विश्वास नहीं होता!
अचानक खांसी के कारण फर्टनेटो को रुकना पड़ा.
चलो, हमें लौट जाना चाहिये! सर्दी तुम्हारे लिये हानिकारक है.
खां! खां!
तुम्हारा स्वास्थ्य महत्वपूर्ण है! तुम धनवान हो, सम्मानित हो. तुम बीमार हो जाओगे......
यह खांसी तो कुछ भी नहीं है! मैं खांसी से मर नहीं जाऊँगा!



वहाँ तीन तरफ शवों की कतारें थीं. चौथी तरफ से कंकालों की हड्डियाँ नीचे गिरा दी गईं थीं जो ज़मीन पर बिखरी थीं.



वह आगे गया लेकिन पत्थरों की दीवार के पास आकर रुक गया. दीवार में लोहे के दो खूँटे, एक चेन और एक ताला था. एक ही पल में मैंने चेन उसकी कमर पर लपेट दी और उसे वहाँ बाँध दिया.





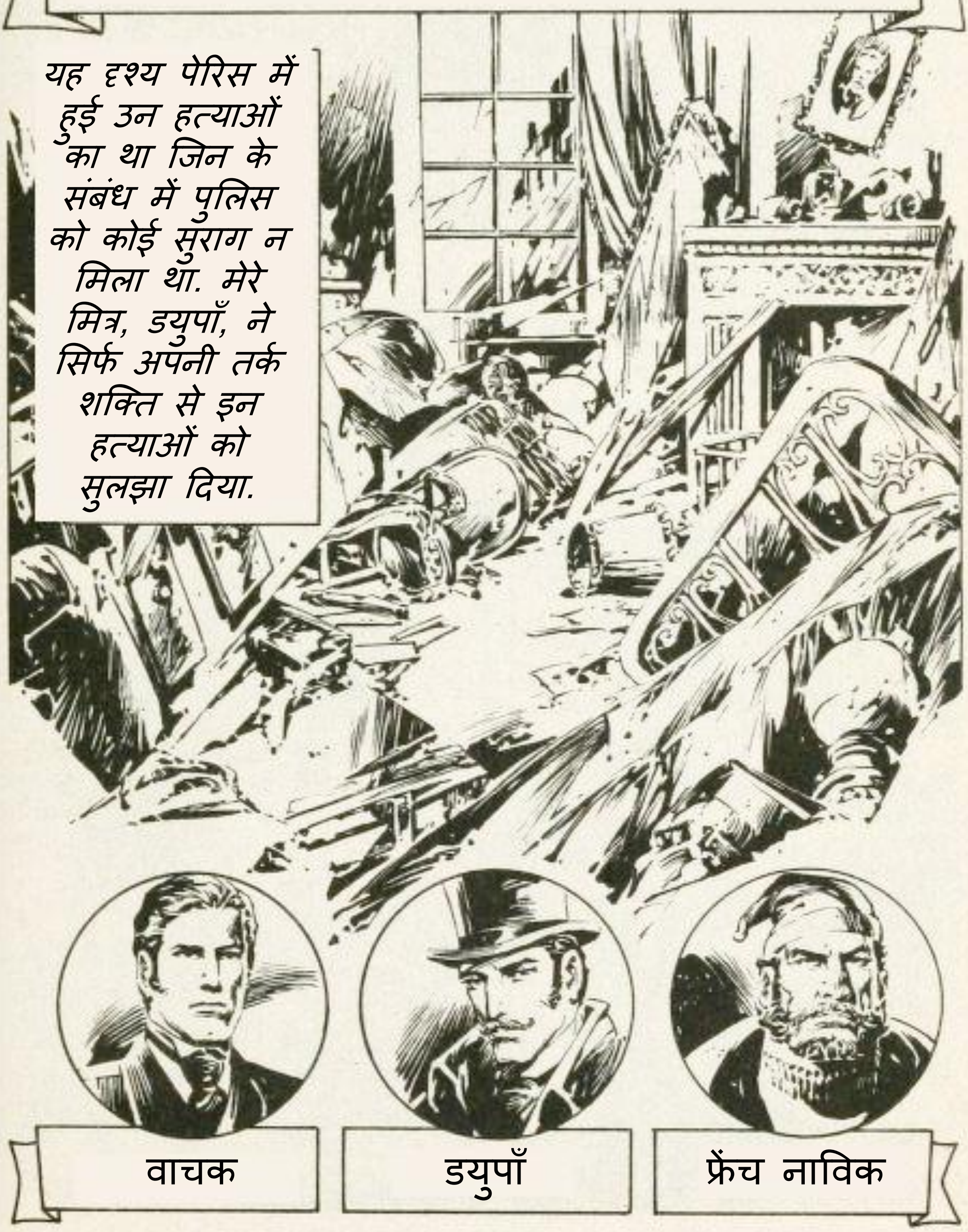


आखिरकार खड़खड़ाने की आवाज़ बंद हो गयी. मैं अपना काम करता रहा. बस अंतिम पत्थर लगाना रह गया था. गुफा के अंदर से एक फीकी हंसी और खिन्न सी आवाज़ आई.




हा! हा! हाँ, एमोंटियाडो. लेकिन क्या बहुत देर नहीं हो गयीं? क्या वह हमारी प्रतीक्षा नहीं कर रहे होंगे? लेडी फर्टनेटो और अन्य लोग? चलो, अब चलते हैं.
हाँ, अब चलते हैं.
ईश्वर के लिये, मोंत्सोर!
हाँ, फर्टनेटो.
अंदर से कोई आवाज़ न आई. मैंने अंतिम पत्थर भी लगा दिया. फिर दीवार पर पलस्तर कर दिया. इस नई दीवार के सहारे पुरानी हड्डियों का ढेर लगा दिया.
पचास वर्षों से किसी ने उस हड्डियों के ढेर को छेड़ा तक नहीं.
अंत

रुय मोर्ग में हत्याएं



यह दृश्य पेरिस में हुई उन हत्याओं का था जिन के संबंध में पुलिस को कोई सुराग न मिला था. मेरे मित्र, डयुपाँ, ने सिर्फ अपनी तर्क शक्ति से इन हत्याओं को सुलझा दिया.
वाचक
डयुपाँ
फ्रेंच नाविक


पेरिस में रहते हुए सन 1800 की वसंत ऋतु में, एक पुस्तक की तलाश में, मैं एक किताबों की दूकान में गया.
अह, श्रीमान...यह तो एक दुर्लभ किताब है जो आसानी से नहीं मिलती. क्षमा करें मेरे पास यह नहीं है.
यह सज्जन भी वही किताब लेने आये हैं!
श्रीमान, सी अगूस्त डयुपाँ आपकी सेवा में.
आपसे मिल कर प्रसन्नता हुई. शायद हमें एक साथ इस की तलाश करनी चाहिये.
इस तरह डयुपाँ से मेरी मित्रता हो गई.


बहुत बातों में हमारी रुचि एक जैसी थी. आखिरकार हम दोनों एक पुराने घर में एक साथ रहने लगे. यहाँ एक साथ रहते हुए हमने पहली बार रुय मोर्ग में हुई हत्याओं के विषय में पढ़ा.
रुय मोर्ग में घटी उस अनोखी घटना के बारे में तुमने पढ़ा?
एक हत्या, क्या वही न?
हत्या, हाँ, लेकिन साधारण प्रकार की नहीं.
चलो, ज़रा कल्पना करो. आज सुबह लगभग तीन बजे रुय मोर्ग में स्थित एक घर की चौथी मंजिल से आती भयानक चीखों की आवाज़ सुन कर आसपास के कई पड़ोसी जाग गये.....
बहुत डरावनी आवाज़ें थीं....जैसे किसी की हत्या की जा रही थी!
वहाँ कौन रहता है?
मेडम लास्पेनिये और उसकी बेटी कैमिलय!





लेकिन आवाजें बंद हो गयी और सब कुछ खामोश हो गया. लोग एक कमरे से दूसरे कमरे भाग रहे थे और घर की तलाशी ले रहे थे. अंत में वह चौथी मंजिल पर स्थित पिछले कमरे में आये.




कमरा पूरी तरह अस्त-व्यस्त था. टूटा हुआ फर्नीचर यहाँ-वहाँ बिखरा हुआ था.
क्या हुआ?
यहाँ कोई नहीं है!
लेकिन वह औरतें कहाँ हैं?
खून से सना रेज़र!
बालों का गुच्छा- सफेद, इंसानों के बाल- जिन पर खून लगा है!

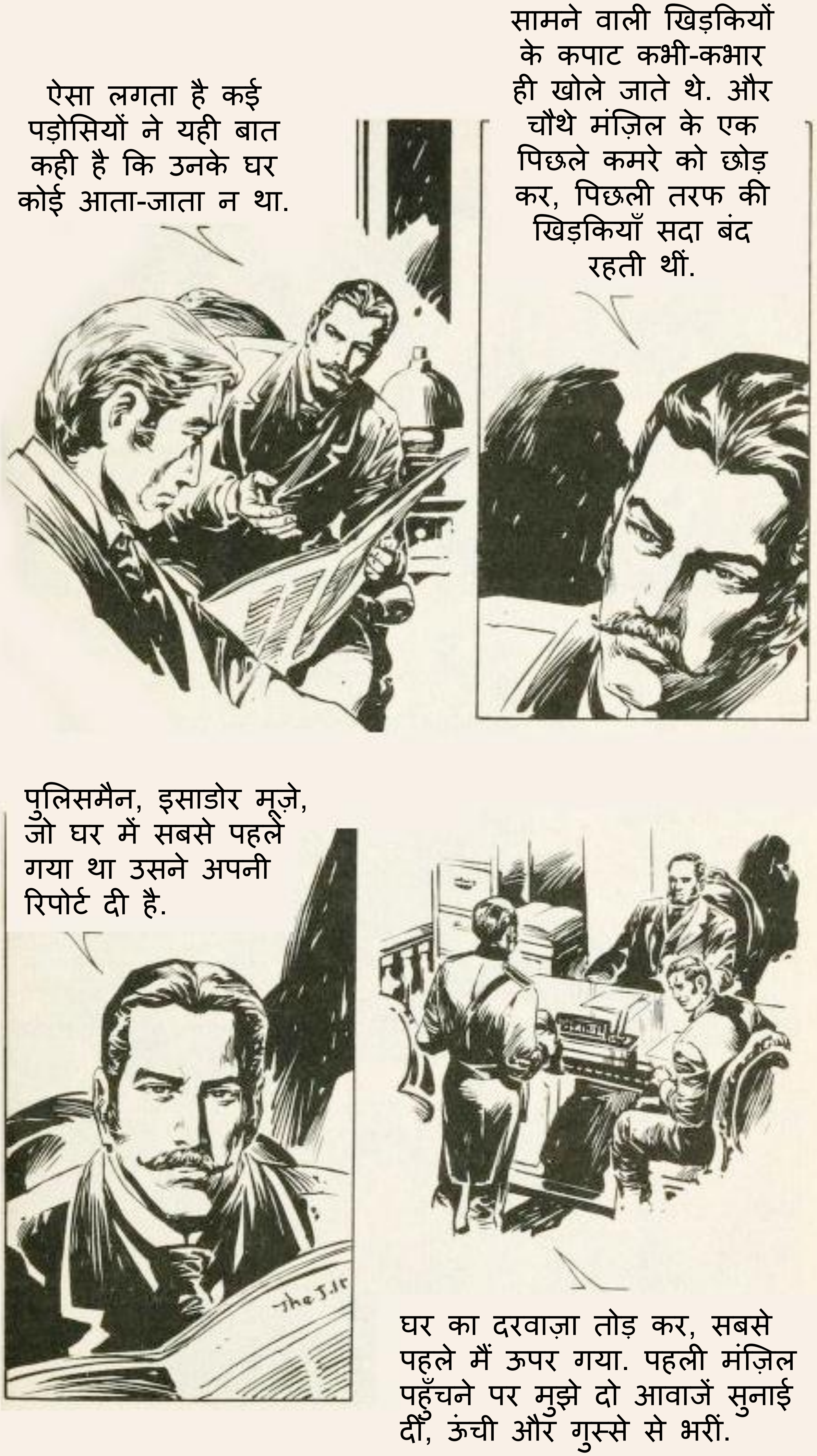

एक पुलिसमैन ने फर्श से दो बैग उठाये.
सोना! कम-से-कम चार हज़ार फ्रैंक का सोना!
एक तिजोरी – लेकिन खुली हुई!
इसमें सिर्फ कुछ पुराने पत्र हैं.
लेकिन मैडम लास्पेनिये और उसकी बेटी! वह कहाँ हैं?
इस चिम्मनी से बहुत सारी कालिख नीचे अँगीठी में आ गिरी है....
क्या तुम्हें लगता है.......... ओह, नहीं!


हां....वह यहाँ है.
एक शव!
बेटी का शरीर चिम्मनी के अंदर ठूँसा हुआ था. शरीर अभी भी गर्म था.
शव बाहर निकल गया और उसकी जांच की गयी.
शरीर पर काटने के निशान हैं, खरोंचें भी हैं. अवश्य ही चिम्मनी के कारण. लेकिन लगता है कि गला दबा कर हत्या की गयी है.
पूरे घर की तलाशी ली गयी, पर कुछ और न मिला. फिर सब घर के पीछे एक छोटे अहाते की ओर चल दिए.
यह तो वृद्ध महिला हैं - मैडम लास्पेनिये!
लेकिन अब उन्हें कौन पहचान सकेगा!
मैडम को बुरी तरह पीटा गया था. उनकी गर्दन पर इतना गहरा घाव था कि सर तो शरीर से लगभग अलग ही हो गया था.

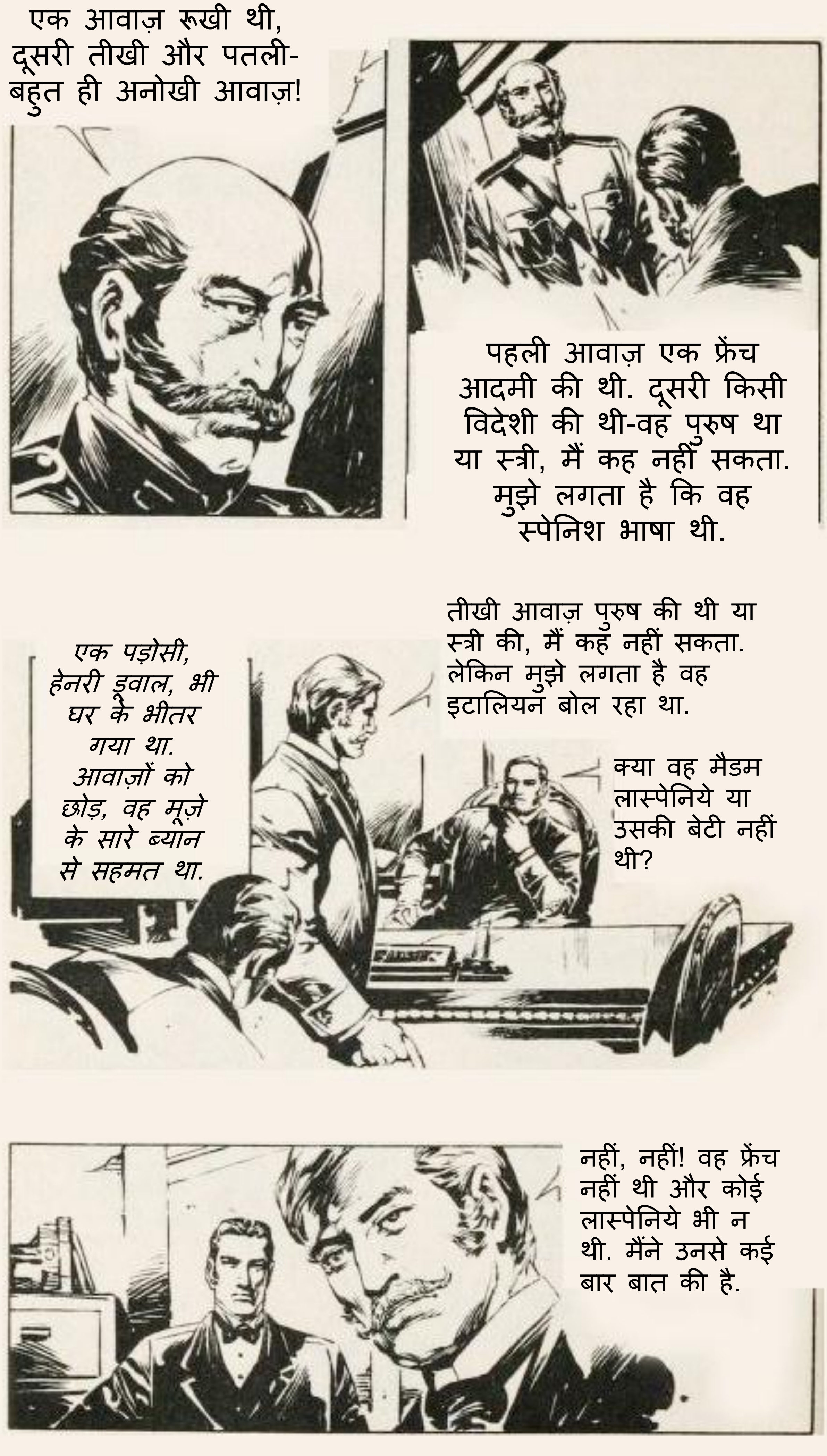

इन भयानक हत्याओं का ज़रा-सा सुराग भी नहीं मिला.
हम उत्सुकता से अगले दिन के समाचार पत्र की प्रतीक्षा कर रहे थे. यद्यपि कोई नया सुराग न मिला था, जिन लोगों से पूछताछ की गयी थी, उसका विवरण समाचारपत्र में था.
एक थी पालीन डिबोर्ग, धोबिन.
हाँ, मैं पालीन डिबोर्ग हूँ. लास्पेनिये परिवार के कपड़े मैं तीन वर्षों से धो रही थी.
मैं वहाँ से कपड़े लेकर धोने के लिये अपने घर ले आती थी.
माँ और बेटी में कैसे सम्बन्ध थे?
क्यों, बहुत अच्छे! वह एक दूसरे से बहुत प्यार करती थीं.


क्या कभी तुमने किसी और व्यक्ति को उनके घर में देखा था?
कभी नहीं! वहाँ कोई नौकर न था और मैंने कभी कोई मेहमान वहाँ नहीं देखा.
क्या वह संपन्न थीं? क्या उनके पास धन था?
मैं बस इतना जानती हूँ कि मुझे सदा अच्छे-खासे पैसे मिलते थे. पर जैसा लोग कहते हैं, मैडम ने कुछ बचत कर रखी थी. मुझे लगता है कि आमदनी के लिये वह लोगों को उनका भविष्य बताती थी.
बहुत बढ़िया. जो कुछ आपने बताया है हम लिख लेंगे. आप पुलिस स्टेशन आकर उस पर हस्ताक्षर कर दें.
अलविदा, श्रीमान.


तम्बाकू बेचने वाले पियर मोरओ से भी पूछताछ हुई.
मैं सारा जीवन उसी जगह रहा हूँ, हाँ. शायद चार वर्षों से मैडम लास्पेनिये मुझ से थोड़ा-थोड़ा तम्बाकू खरीदती रहती थीं.
वह घर मैडम का था और सुना है कि उनके पास पैसा भी था.
लोग कहते हैं कि वह भविष्य बताती थीं. लेकिन मुझे विश्वास नहीं है.
और क्यों नहीं?
वह एक शांत जीवन जीती थीं. उस वृद्ध महिला और उसकी बेटी के अतिरिक्त मैंने कभी किसी को उनके घर जाते नहीं देखा. एक व्यक्ति कोई पार्सल देने के लिये एक-आध बार आया था. और आठ-दस बार डॉक्टर आया होगा.
हाँ, मैं समझ रहा हूँ.



ऐसा लगता है कई पड़ोसियों ने यही बात कही है कि उनके घर कोई आता-जाता न था.
सामने वाली खिड़कियों के कपाट कभी-कभार ही खोले जाते थे. और चौथे मंज़िल के एक पिछले कमरे को छोड़ कर, पिछली तरफ की खिड़कियाँ सदा बंद रहती थीं.
पुलिसमैन, इसाडोर मूज़े, जो घर में सबसे पहले गया था उसने अपनी रिपोर्ट दी है.
घर का दरवाज़ा तोड़ कर, सबसे पहले मैं ऊपर गया. पहली मंज़िल पहुँचने पर मुझे दो आवाजें सुनाई दीं, ऊंची और गुस्से से भरीं.


एक आवाज़ रूखी थी, दूसरी तीखी और पतली- बहुत ही अनोखी आवाज़!
पहली आवाज़ एक फ्रेंच आदमी की थी. दूसरी किसी विदेशी की थी-वह पुरुष था या स्त्री, मैं कह नहीं सकता. मुझे लगता है कि वह स्पेनिश भाषा थी.
एक पड़ोसी, हेनरी डूवाल, भी घर के भीतर गया था. आवाज़ों को छोड़, वह मूज़े के सारे ब्यान से सहमत था.
तीखी आवाज़ पुरुष की थी या स्त्री की, मैं कह नहीं सकता. लेकिन मुझे लगता है वह इटालियन बोल रहा था.
क्या वह मैडम लास्पेनिये या उसकी बेटी नहीं थी?
नहीं, नहीं! वह फ्रेंच नहीं थी और कोई लास्पेनिये भी न थी. मैंने उनसे कई बार बात की है.


एक डच नागरिक, जो उधर से गुज़र रहा था, तलाशी में शामिल हो गया था. वह फ्रेंच न बोल पाता था इस कारण उससे डच भाषा में पूछताछ हुई.
मिस्टर ओडनहाइमर आवाज़ के अतिरिक्त बाकी सब बातों से सहमत हैं. उनका कहना है कि तीखी आवाज़ एक फ्रेंच पुरुष की थी.
एक अँगरेज़, विलियम बर्ड, दो वर्षों से पेरिस में रह रहा था. वह उधर से जा रहा था और वह भी तलाशी लेने लगा था. सब से पहले जो लोग ऊपर पहुंचे, उनमें से वह एक था.
तीखी आवाज़ बहुत ऊंची थी. यह किसी अँगरेज़ की आवाज़ न थी. मुझे वह जर्मन भाषा लगी थी. लेकिन पुरुष की थी या स्त्री की, कह नहीं सकता.
मिस्टर बर्ड, क्या आप जर्मन बोल सकते हैं?
नहीं, बिल्कुल नहीं.



अल्फोंजो ग्राशिया से भी पूछताछ की गयी. वह एक स्पेनिश अंतयेष्टि-प्रबंधक था जो रुय मोर्ग में रहता था.
मैं घर के भीतर गया था पर ऊपर नहीं गया था. मैं जल्दी घबरा जाता हूँ! आप समझ रहे हैं न?
लेकिन आप आवाज़ें सुन सकते थे?
ओह, हाँ, ठीक से! तीखी आवाज़ एक अँगरेज़ की थी. इसका मुझे पूरा विश्वास है.
आप अंग्रेजी बोल सकते हैं?
नहीं, नहीं! मैं आवाज़ को पहचान कर अनुमान लगाता हूँ.
अल्बर्टो मंटनी, एक कैंडी विक्रेता, भी उन में से एक था जो सबसे पहले ऊपर गये थे.
तीखी आवाज़? वह कुछ असमान्य और हड़बड़ी वाली थी. मुझे लगता है कि वह किसी रशियन की आवाज़ थी.
क्या आप रशियन जानते हैं?

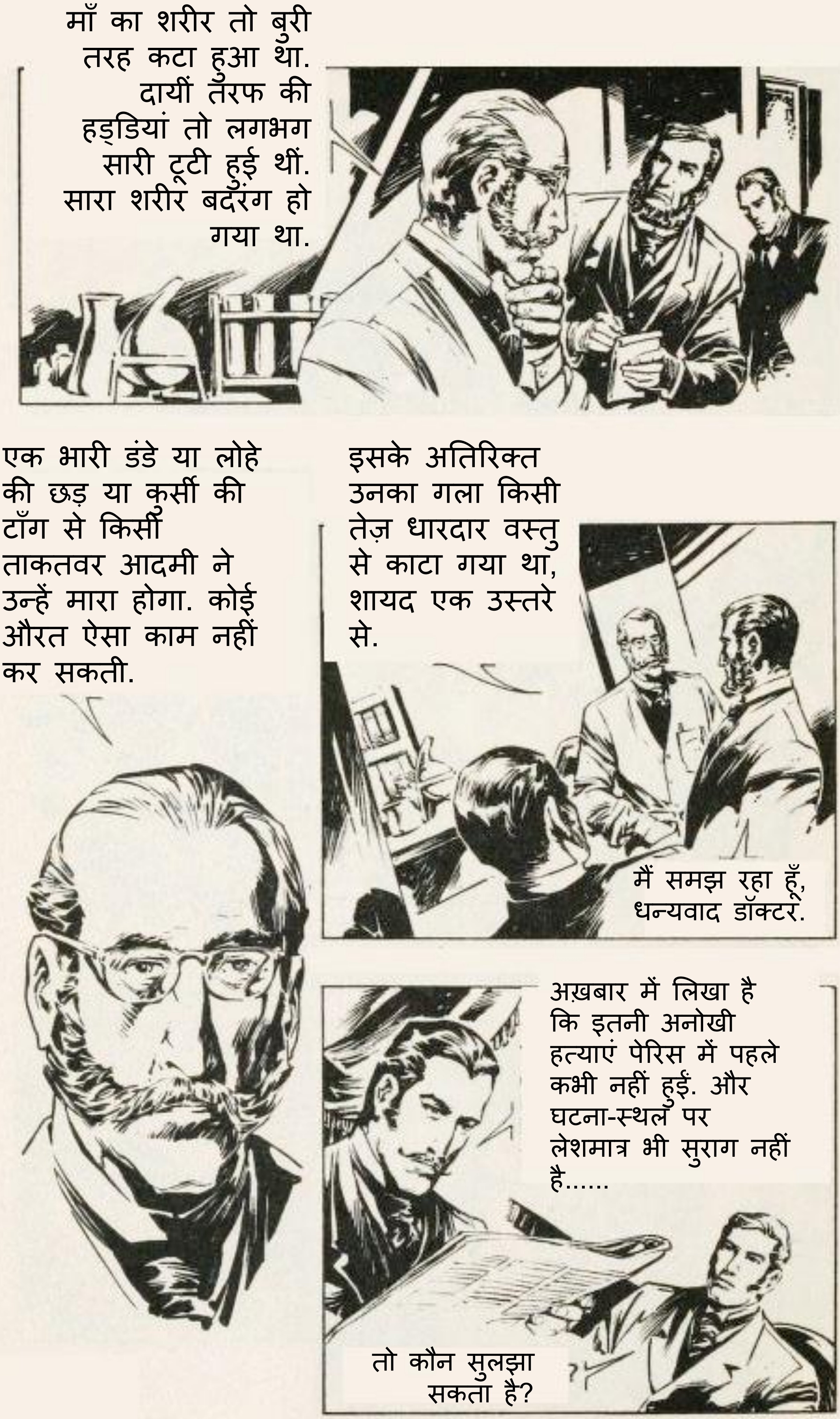


नहीं, श्रीमान. मैं एक इटालियन हूँ. मैंने कभी किसी रशियन से बात नहीं की.
ज्यूल्स मिनाओ जो एक बैंकर थे उनकी भी बात पुलिस से हुई.
मैडम लास्पेनिये के विषय में, श्रीमान.....
मैडम लास्पेनिये ने आठ वर्ष पहले एक खाता खोला था. उनके पास कुछ जायदाद थी.
उन्होंने कभी कोई पैसे नहीं निकाले थे, लेकिन मृत्यु के तीन दिन पहले वह 4000 फ्रैंक लेने आयीं थीं.


यह पैसा उन्हें सोने के रूप में दिया गया था. एक क्लर्क उनके घर ले गया था.
मैं उस क्लर्क से बात कर सकता हूँ?
अवश्य! लेबाँ को भेजो!
हाँ, मेरा नाम अडोल्फ लेबाँ है. मैं मैडम लास्पेनिये के साथ, सोने के भरे दो बैग लेकर उनके घर गया था.
क्या तुम घर के अंदर भी गये थे?
नहीं, श्रीमान. उनकी बेटी दरवाज़े पर आ गयी थी. उसने एक बैग ले लिया था और दूसरा बैग वृद्ध महिला स्वयं भीतर ले गयीं थी. मैंने अभिवादन किया और लौट आया था.



अब ज़रा सोच कर बताओ. क्या उस समय कोई आसपास था या आ-जा रहा था?
वहाँ कोई नहीं था! वह एक छोटी-सी निर्जन गली है.
डॉक्टर पॉल ड्यूमा ने भी अपना ब्यान दिया.
मुझे भोर के समय शवों का निरीक्षण करने बुलाया गया था. युवती के शरीर पर काटने और खरोंचने के कई निशान थे. उसे चिम्मनी के अंदर ठूँसा गया था इस कारण वह घाव हुए थे.
उसकी ठोड़ी के नीचे गहरी खरोंचे थीं और कुछ धब्बे थे जो अंगुलियों के निशान हो सकते हैं.
मुझे लगता है कि कुमारी लास्पेनिये की मृत्यु गला घोंटने से हुई थी.


माँ का शरीर तो बुरी तरह कटा हुआ था. दायीं तरफ की हड्डियां तो लगभग सारी टूटी हुई थीं. सारा शरीर बदरंग हो गया था.
एक भारी डंडे या लोहे की छड़ या कुर्सी की टाँग से किसी ताकतवर आदमी ने उन्हें मारा होगा. कोई औरत ऐसा काम नहीं कर सकती.
इसके अतिरिक्त उनका गला किसी तेज़ धारदार वस्तु से काटा गया था, शायद एक उस्तरे से.
मैं समझ रहा हूँ, धन्यवाद डॉक्टर.
अख़बार में लिखा है कि इतनी अनोखी हत्याएं पेरिस में पहले कभी नहीं हुईं. और घटना-स्थल पर लेशमात्र भी सुराग नहीं है......
तो कौन सुलझा सकता है?


बाद में, शाम की अख़बार में लिखा था कि यद्यपि कोई नया सुराग न मिला था, अडोल्फ लेबाँ को गिरफ्तार कर लिया गया था.
चलो हम ही इन हत्याओं की जांच करते हैं! लेबाँ ने एक बार मेरी मदद की थी जिस कारण मैं उसका ऋणी हूँ.


हम स्वयं जाकर उस घर की जांच करेंगे. मैं पुलिस के मुखिया को जानता हूँ. इसलिये घर के अंदर जाने में हमें कोई दिक्कत न होगी.
ठीक है.


हम लोग दुपहर बाद रुय मोर्ग पहुंचे. अभी भी वहाँ कई लोग थे जो उस घर को देख रहे थे.

एक गली से होते हुए हम घर की पिछली तरफ आ गये. ड्युपाँ बड़े ध्यान से हर ओर देख रहा था.



हम प्रवेश-द्वार की ओर लौट आये. एक पुलिसमैन हमें घर के भीतर ले आया. हम ऊपर उस बेडरूम में गये जहां दोनों शव अभी भी पड़े थे. ड्युपाँ ने हर वस्तु का और फिर शवों का निरीक्षण किया.



घर लौटते समय हम लिमोंड के कार्यालय के पास रुके. जहाज़ों के नाविक और कप्तान यह समाचारपत्र पढ़ना पसंद करते हैं.




घर आने के बाद, अगले दिन दुपहर तक, ड्युपाँ ने उन हत्याओं के विषय में कोई बात न की. फिर उसने एक आश्चर्यजनक बात कही.
पुलिस को यह केस सुलझाना कठिन लग रहा है क्योंकि यह बहुत ही अनोखा अपराध है. लेकिन यह अनोखापन ही मुझे इसे सुलझाने का रास्ता दिखायेगा- शायद पहले ही दिखा दिया है.
मैं उस व्यक्ति की प्रतीक्षा कर रहा हूँ जिस को इन हत्याओं की अवश्य जानकारी है. वह व्यक्ति अब कभी भी यहाँ मेरे कमरे में आ सकता है.
अगर वह आता है तो हमें उसे यहाँ रोक कर रखना होगा. यह कुछ पिस्तोलें हैं. हम दोनों इनका उपयोग करना जानते हैं.
मुझे उसकी बातों पर ज़रा भी विश्वास न था. मैंने पिस्तौल ले ली. ड्युपाँ अपनी बात कहता गया.
ऐसा ब्यान आया था कि ऊपर बहस करती दो आवाजें सुनाई दीं थी. इस ब्यान का सबसे अनोखा भाग क्या था?
हर कोई सहमत था कि एक आवाज़ किसी फ्रेंच पुरुष की थी, लेकिन दूसरी आवाज़ को लेकर हर एक का अलग अनुमान था.


इतना ही नहीं कि वह एक दूसरे से असहमत थे, उन में से हर एक पाँच अलग देशों से था और हर एक को लगा की वह कोई विदेशी भाषा थी.
एक भी शब्द समझ न आया था. यह एक महत्वपूर्ण सुराग है.
फिर- वह कमरा. दरवाज़े अंदर से बंद थे. बाहर जाने का कोई गुप्त रास्ता न था. चिम्मनी इतनी छोटी थी कि बिल्ली भी उसमें से बाहर न जा पाए. हत्यारे खिड़की के रास्ते बाहर गये होंगे.
लेकिन पुलिस को तो खिड़कियाँ अंदर से बंद मिली थीं!
उन्होंने पाया था कि खिड़कियाँ ऊपर की ओर खिसकाई न जा सकती थीं. हर खिड़की और उसकी सिल के बीच में एक कील लगा था.
ठीक है?


लेकिन मैंने कील निकाल दिया था और फिर भी खिड़की को ऊपर न खिसका पाया था. मैंने जांच की तो एक छिपा हुआ स्प्रिंग देखा, जो खिड़की बंद रखे हुआ था.
बिस्तर के पीछे जो खिड़की थी उसमें लगा कील कुछ वर्ष पूर्व टूट गया था. यद्यपि वह वहीं लगा था और साबुत दिखाई देता था, वह खिड़की को बंद न रखे था.
अगर कोई उस खिड़की से बाहर गया होगा और जाने के बाद कपाट गिरा दिया होगा तो छिपे हुए स्प्रिंग ने खिड़की को बंद कर दिया होगा. लेकिन देखने पर प्रतीत होता था कि खिड़की कील से बंद थी.
चलो, इतना तो तुमने जान लिया! लेकिन हत्यारा नीचे कैसे गया?
अगर हत्यारा अच्छा आरोही था तो वह बाहर के कपाट की सहायता से लाइटनिंग रॉड तक झूल कर पहुँच गया होगा. वह रॉड छत से ज़मीन तक जा रही है. हत्यारा इस रॉड से नीचे उतर गया होगा.


तो हमारा हत्यारा ऐसा व्यक्ति है जिसकी आवाज़ बहुत ही अजीब है और जो एक अच्छा आरोही भी है. वह बहुत ताकतवर है, लेकिन इतना मूर्ख है कि 4000 फ्रैंक का सोना कमरे में ही छोड़ गया!
वह एक पागल है! कोई ऐसा जो किसी पागलखाने से भाग कर आया हो.
इन बालों के गुच्छे को देखो, इसे मैंने मैडम लास्पेनिये अँगुलियों से निकला था.
मैंने लिफ़ाफ़े में रखे बाल बाहर निकाले और उन्हें ध्यान से देखने लगा.
ड्युपाँ! यह तो किसी मानव के बाल नहीं हैं!
मैंने नहीं कहा कि वह हैं. अब यहाँ से यह किताब पढ़ो.



पुस्तक में ईस्ट इंडियन द्वीपों के ओरैंग-उटैन वानरों का वर्णन था. यह जानवर बहुत बड़े, ताकतवर और फुर्तीले होते हैं. आखिरकार मुझे हत्याओं की पूरी कहानी समझ आ गयी.
हाँ, मुझे समझ आ रहा है. लेकिन दूसरी आवाज़ का क्या, जो किसी फ्रेंच आदमी की थी?
मेरे विचार में वह कोई नाविक है, उस जानवर का स्वामी. उसे इन हत्याओं के विषय में अवश्य कुछ पता होगा.
शायद जानवर छुट कर भाग गया होगा. वह आदमी उसके पीछे भागा होगा. शायद जानवर अभी भी स्वतंत्र है. कल रात मैंने अख़बार में यह विज्ञापन दिया था. मुझे लगता है कि इसे देख कर वह यहाँ आयेगा.
“.......बड़ा ओरैंग-उटैन... स्वामी माल्टा के जहाज़ का नाविक... पहचान कर... खर्चा देकर जानवर ले जाये.....”
तभी हमें सीढ़ियों पर किसी के चढ़ने की आवाज़ आई.
अपनी पिस्तौल लेकर तैयार रहना. लेकिन पिस्तौल तब तक न दिखाना और न चलाना जब तक मैं न कहूँ.


शुभ संध्या.
भीतर आ जाओ! बैठो! मेरा ख्याल है कि तुम ओरैंग-उटैन को लेने आये हो?
बढ़िया जानवर है - कितने वर्ष का है?
मैं नहीं जानता- शायद चार या पाँच वर्ष का. क्या वह आपके पास यहाँ पर है?
ओह, नहीं. वह पास के अस्तबल में है.
मैं नहीं चाहता कि आप बिना कारण यह कष्ट उठायें. मैं आपको पुरस्कार देने को तैयार हूँ.
मेरा पुरस्कार यह है कि रुय मोर्ग में हुई हत्याओं की पूरी जानकारी तुम मुझे दोगे.


मेरे मित्र, हम तुम्हें कोई हानि नहीं पहुंचाना चाहते. मैं जानता हूँ कि तुम नें उन औरतों की हत्या नहीं की थी. लेकिन एक बेकसूर आदमी जेल में है. उसे अभागे को उन हत्याओं का दोषी माना जा रहा है जिन हत्याओं के अपराधी के विषय में तुम जानते हो.


कृपया मेरी मदद करें. जो कुछ मैं जानता हूँ मैं आपको बता दूंगा. मैं निर्दोष हूँ, मैंने कोई अपराध नहीं किया.


उसने हमें बताया की अपनी पिछली समुद्री-यात्रा के समय वह इस जानवर को अपने साथ लाया था. उसने उसे अपने पेरिस के घर में बड़ी सुरक्षा के साथ रखा था, जब तक की उसके पाँव का घाव ठीक न हो गया था. फिर उसने उसे बेचने का सोच रखा था. उसे वह एक पिंजरे में बंद कर के रखता था.
लेकिन एक रात जब वह देर से घर लौटा तो उसने जानवर को अपने बेडरूम में पाया. अपने स्वामी की नकल करते हुए, वह शेव कर रहा था.
जानवर के हाथ में उस्तरा देख कर वह भयभीत हो गया और अपना कोड़ा ले आया. कोड़े से कभी-कभी वह जानवर को वश में किया करता था.

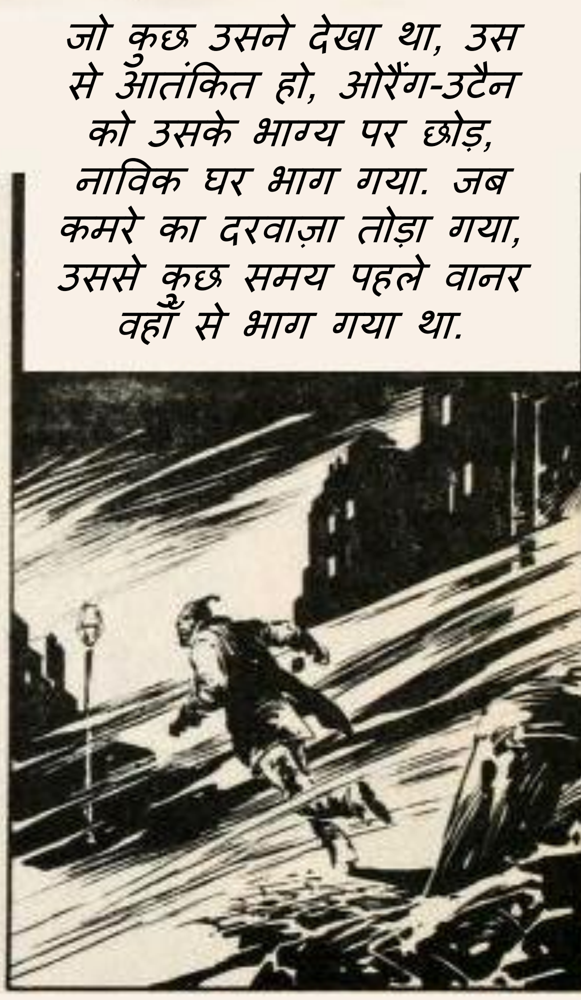


लेकिन कोड़ा देखते ही जानवर भाग कर कमरे से बाहर चला गया, सीढ़ियों से नीचे उतर कर, एक खुली खिड़की से कूद कर बाहर रास्ते पर आ गया.
उस्तरा पकड़े वानर नगर की खाली गलियों में भागता रहा और नाविक उसका पीछा करता रहा. अंत में रुय मोर्ग के एक घर की खिड़की में रोशनी देखकर वह उस घर के पिछले अहाते में घुस गया.
उसे लाइटनिंग रॉड दिखाई दी, उसे पकड़ कर वह ऊपर चढ़ गया.
चौथी मंज़िल पर उसने एक खिड़की का पला पकड़ लिया और झूल कर भीतर चला गया.


नाविक भी उस रॉड के सहारे ऊपर चढ़ने लगा. लेकिन ऊपर चढ़ते हुए उसने एक भयंकर चीख सुनी. वह खिड़की तक पहुँच न पाया, वह सिर्फ भीतर देख पाया.
वृद्ध महिला की चीख सुन वानर को गुस्सा आ गया. उसने महिला के गले पर उस्तरे से वार किया.
फिर खून देखकर उसका गुस्सा और भड़क उठा, उस ने लड़की को पकड़ लिया. लड़की बेहोश हो गयी, वानर ने उसका गला घोंट दिया.


अपने स्वामी के चिल्लाने की आवाज़ सुन कर, वानर ने खिड़की की ओर देखा. उसे अपने स्वामी का चेहरा दिखाई दिया. अब उसका गुस्सा भय में परिवर्तित हो गया. वह कमरे में चारों ओर भागने लगा. फर्नीचर और अन्य वस्तुएं टूट कर यहाँ-वहाँ बिखरने लगीं.
जो उत्पात उसने मचाया था, उसे छिपाने के लिए उसने लड़की के शव को चिम्मनी के भीतर ठूंस दिया. फिर वृद्ध महिला के शव को खिड़की से बाहर फैंक दिया.


नाविक झटपट रॉड से नीचे उतर आया.


जो कुछ उसने देखा था, उस से आतंकित हो, ओरैंग-उटैन को उसके भाग्य पर छोड़, नाविक घर भाग गया. जब कमरे का दरवाज़ा तोड़ा गया, उससे कुछ समय पहले वानर वहाँ से भाग गया था.


अगले दिन हमने सुना की ओरैंग-उटैन पकड़ा गया था और उसके स्वामी ने उसे अच्छे दामों के लिये बेच दिया था.
जब हमने यह कहानी पुलिस मुखिया को सुनाई तो लेबाँ को तुरंत छोड़ दिया गया.
आप स्वतंत्र हैं, मिस्टर लेबाँ.
आपका बहुत-बहुत धन्यवाद, मिस्टर डयुपाँ!
नहीं, कोई बात नहीं!
पुलिस मुखिया ने टिप्पणी की कि लोगों को अपने काम पर ही ध्यान देना चाहिये, लेकिन डयुपाँ ने कोई उत्तर न दिया.
उसे कहने दो. ऐसी बात कह कर उसका मन हल्का हो जाएगा. मुझे प्रसन्नता है कि वह केस सुलझा पाता उससे पहले मैंने सुलझा दिया.
समाप्त